

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' को सफल बनाने हेतु कुलपतियों के साथ ऑनलाइन बैठक सम्पन्न

राज्यपाल ने आयुष मंत्रालय द्वारा घोषित 10 प्रमुख गतिविधियों के प्रति वि वि विद्यालयों को जागरूक किया और इन योजनाओं में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अब केवल एक प्रतीकात्मक दिवस नहीं, बल्कि एक वै वै वैक जनांदोलन बन चुका है, जिसके माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली, मानसिक संतुलन, सामाजिक समरसता और पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा दिया जा रहा है

दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, बालक-बालिकाएं व विशेष जरूरत वाले छात्रों के लिए विशेष योग सत्र आयोजित किये जाएं

योग और पर्यावरण संरक्षण को एकीकृत करते हुए पौधरोपण, स्वच्छता जैसे कार्यक्रम आयोजित करें

वि वि विद्यालयों में स्थापित हेल्थ सेंटरों का उपयोग केवल वि वि विद्यालय तक सीमित न रहे, बल्कि उसके आस-पास के गांवों तक उसका विस्तार किया जाए

—राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 05 मई, 2025

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य वि वि विद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी की अध्यक्षता में आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 की तैयारियों के संबंध में एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के समस्त राज्य वि वि विद्यालयों के कुलपति व वरिष्ठ अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

राज्यपाल जी ने इस वर्ष योग दिवस की थीम "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह थीम न केवल वसुधैव कुटुंबकम की भावना को सशक्त करती है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान भी करती है। राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने 01 जून से 21 जून, 2025 तक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की श्रृंखला में आयोजित किए जाने वाले योग कार्यक्रमों को अद्भुत, रचनात्मक एवं सामूहिक प्रयास का प्रतीक बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, संगीत और योग को एकीकृत कर डॉक्यूमेंटेशन किया जाए, ताकि उसका संकलन कर एक

पुस्तक तैयार की जा सके। उन्होंने नवनिर्मित स्पोर्ट्स वि विद्यालय को निर्देशित किया कि वे आंगनबाड़ी एवं प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों अथवा अन्य वि विद्यालयों के विद्यार्थियों को खेलों से जोड़ते हुए योग करवाएं, जिससे योग में रुचि एवं सहभागिता बढ़े।

राज्यपाल जी ने साइकिल यात्रा एवं पद यात्रा जैसे आयोजनों को भी प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि वि विद्यालय अपने अध्यापक, महिला स्टाफ, नर्सिंग स्टाफ को उनकी यूनिफॉर्म में विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर योग करते हुए प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करें तथा उद्योग जगत के लोगों को भी इसमें सम्मिलित करें। इसके अतिरिक्त, उन्होंने योग को केवल शारीरिक अभ्यास तक सीमित न रखते हुए सभी को पोषणयुक्त एवं संतुलित खान-पान के लिए प्रेरित करने पर बल दिया, ताकि सम्पूर्ण जीवनशैली में सुधार लाया जा सके। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अब केवल एक प्रतीकात्मक दिवस नहीं, बल्कि एक वैश्विक जनांदोलन बन चुका है, जिसके माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली, मानसिक संतुलन, सामाजिक समरसता और पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा दिया जा रहा है।

राज्यपाल जी ने आयुष मंत्रालय द्वारा घोषित 10 प्रमुख गतिविधियों के प्रति वि विद्यालयों को जागरूक किया और इन योजनाओं में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि 21 जून को वि विद्यालय के सभी परिसरों और अधीनस्थ महाविद्यालयों में सामूहिक योग अभ्यास सुनिश्चित करें, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी, शिक्षक व कर्मचारी लाभान्वित हों। विश्वविद्यालय अपने स्तर पर विदेशी वि विद्यालयों से भी जुड़कर योग सत्र आयोजित करें जिससे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा मिले। वि विद्यालय परिसरों में योग के लिए समर्पित स्थायी स्थल विकसित किए जाएं। दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, बालक-बालिकाएं व विशेष जरूरत वाले छात्रों के लिए विशेष योग सत्र आयोजित किए जाएं। योग के सामाजिक व शारीरिक प्रभावों को आंकने हेतु शोध प्रपत्र तैयार किए जाएं। वि विद्यालय योग विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं व स्वास्थ्य विशेषज्ञों को आमंत्रित कर शिखर सम्मेलन व कार्यशालाएं आयोजित करें। योग और पर्यावरण संरक्षण को एकीकृत करते हुए पौधरोपण, स्वच्छता जैसे कार्यक्रम आयोजित करें। युवाओं को जोड़ने हेतु डिजिटल माध्यमों और इनोवेटिव कैम्पेन की शुरुआत की जाए। चिकित्सा शिक्षा में योग के एकीकरण पर शोध व कार्यशालाएं आयोजित की जाएं।

राज्यपाल जी ने विशेष रूप से यह निर्देश दिया कि प्रत्येक वि विद्यालय अपने अधीनस्थ कॉलेजों एवं इंटर कॉलेजों के स्तर तक योग से संबंधित गतिविधियों को नियमित रूप से आयोजित करें, जिससे बचपन से ही छात्रों में स्वस्थ जीवनशैली की आदत विकसित हो सके।

उन्होंने कहा कि योग सिर्फ शरीर को ही नहीं, मन और आत्मा को भी संतुलित करता है और यही योग की सार्वभौमिक शक्ति है। राज्यपाल जी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा वैदिक स्तर पर योग को प्रतिष्ठित करने के प्रयासों की सराहना की और बताया कि विदेशों में भी योग और आयुर्वेद की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने सभी कुलपतियों से अपेक्षा की कि वे इस अभियान में टीम भावना के साथ जुटें और विविद्यालय स्तर पर इस कार्यक्रम को अभूतपूर्व सफलता प्रदान करें। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि एक स्वस्थ और संतुलित जीवन की दिशा में एक सतत वैदिक प्रयास है, जिसमें उत्तर प्रदेश के समस्त विविद्यालयों की सक्रिय भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने विविद्यालयों को निर्देश दिया कि वह अपने सभी कर्मचारियों, शिक्षकों, माली, इंजीनियर और संविदा पर कार्यरत लोगों का बी0एम0आई0 (शारीरिक स्थिति परीक्षण) अवश्य कराएं। यह जांच यह जानने में सहायक होगी कि कौन स्वस्थ हैं और किन्हें विशेष स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकता है। इन आंकड़ों के आधार पर, स्वास्थ्य की दृष्टि से संवेदनशील समूहों के लिए विशेष योजनाएं बनायें और 21 जून को आयोजित योग दिवस के बाद पुनः 2-3 महीने में फिर से जांच की जाए, जिससे सुधार का मूल्यांकन किया जा सके। विविद्यालयों में स्थापित हेल्थ सेंटरों का उपयोग केवल विविद्यालय तक सीमित न रहे, बल्कि उसके आस-पास के गांवों तक उसका विस्तार किया जाए। हर विविद्यालय को यह योजना बनानी चाहिए कि स्थानीय जनसमुदाय कैसे इन सेवाओं का लाभ उठा सके। इसके लिए एक ठोस कार्ययोजना बनाई जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सभी विविद्यालय मिलकर 10 ऐसे कार्यक्रमों की योजना बनाएं, जो सामूहिक रूप से विश्व रिकॉर्ड बनाने में सक्षम हों। एक कार्यक्रम एक ही दिन, सभी विविद्यालयों में एकसाथ आयोजित हो। प्रत्येक कार्यक्रम की पहले से प्रैक्टिस, लक्ष्य निर्धारण और दस्तावेजीकरण सुनिश्चित हो। विद्यार्थियों को अच्छा मैनेजमेंट सिखाने के लिए हर विविद्यालय को अपने कार्यक्रम के लिए एक टीम गठित करनी चाहिए जो सभी पहलुओं का समन्वय करे। राज्यपाल जी ने गर्भ संस्कार विषय पर विशेष बल देते हुए कहा कि विविद्यालयों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कम-से-कम 10 ऐसी महिलाओं का चयन हो, जिनका गर्भ दो या तीन महीने का हो, ताकि गर्भावस्था के संपूर्ण नौ महीनों तक एक योजनाबद्ध और समर्पित संस्कार अभियान चलाया जा सके। इसमें खान-पान, पारिवारिक वातावरण, संवाद, सकारात्मकता और संतुलित योगाभ्यास पर विशेष ध्यान देने की बात कही

गई। उन्होंने कहा कि इसके अनुभवों का संकलन कर देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि वि विद्यालयों को हरित प्रदर्शन आयोजित करना चाहिए, जिसमें यह दर्शाया जाए कि किस प्रकार वृक्ष और वनस्पतियाँ मानव समाज की सेवा करती हैं, चाहे वह पर्यावरण हो, भोजन हो, औषधि हो या स्वास्थ्य। कृषि वि विद्यालय इस दिशा में मार्गदर्शन करें और एक दस्तावेज तैयार किया जाए कि कौन-कौन सी स्थानीय वनस्पतियाँ किस बीमारी में लाभकारी हैं।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, श्री राज्यपाल डॉ० सुधीर महादेव बोबडे, वि ोश सचिव श्री राज्यपाल, श्री श्रीप्रका 1 गुप्ता, वर्चुअली माध्यम से जुड़े सभी वि विद्यालयों के कुलपति व कुलसचिव सहित राजभवन के [अधिकारी / कर्मचारीगण](#) उपस्थित रहे।

संपर्क सूत्र :

डॉ० संगीता चौधरी,

सूचना अधिकारी, राजभवन

मो०: 9161668080



